# भारत – मोजांबिक संबंध

भारत और मोजांबिक के बीच घनिष् ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जो उपनिवेश पूर्व अवधि के समय से परंपरागत संपर्कों पर आधारित हैं। भारतीय उप महाद्वीप के व् यापारी एवं सौदागर सदियों पहले मोजांबिक पहुंचे थे , वे वास् कोडिगामा के अफ्रीका और भारत के लिए रवाना होने से पहले ही वहां पहुंच गए थे। पिछले वर्षों में ये परंपरागत संबंध और सुदृढ़ हुए हैं जिसके परिणामस् वरूप , आज भारत और मोजांबिक के बीच एक – दूसरे के साथ परस् पर लाभ के लिए सहयोग करने के लिए ढेर सारी साझी जमीन है। भारत ने मोजांबिक के स् वतंत्रता संघर्ष में मोजांबिक को अपना समर्थन निरंतर प्रदान किया है। मोजांबिक ने 1975 में आजादी प्राप् त की तथा उसी साल दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स् थापित हुए वास् तव में भारत ऐसे पहले देशों में से एक था जिन् होंने मोजांबिक के आजाद होने के तुरंत बाद मोजांबिक में अपना दूतावास खोला। भारतीय राजदूत उन लोगों में से एक थे , जिन् होंने पुर्तगाली ध् वज को झुकाने और 1975 में मोजांबिक के नए ध् वज को लगाने की ऐतिहासिक घटना को देखा। मोजांबिक ने 2001 में नई दिल् ली में अपना मिशन खोला।

**राजनीतिक :**

**यात्राओं का आदान – प्रदान :** दोनों देशों के नेतृत् व के बीच मधुर एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। अनेक क्षेत्रों में नियमित रूप से उच् च स् तर पर आदान – प्रदान एवं अंत :क्रियाएं होती हैं। मोजांबिक के पहले राष् ट्रपति समोरा मचेल ने अप्रैल , 1982 में भारत का राजकीय दौरा किया और इसके बाद , प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अगस् त, 1982 में मपूतो का दौरा किया। राष् ट्रपति जोकिम अल् बर्टो चीसानो ने दो बार – मई, 1988 में और मई, 2003 में भारत का दौरा किया। राष् ट्रपति अरमाडों ग् वीबुजा ने भी सितंबर – अक् टूबर 2010 में भारत का राजकीय दौरा किया , जबकि प्रधानमंत्री एरिस अली ने मार्च , 2011 में भारत का दौरा किया।

अभी हाल ही में भारत की ओर से हुई यात्राओं में निम् नलिखित शामिल हैं : प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में विदेश राज् य मंत्री जनरल (डा .) वी के सिंह ने 10 और 11 जुलाई 2015 को मोजांबिक का दौरा किया , पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज् य मंत्री (स् वतंत्र प्रभार ) श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 8 से 11 अप्रैल 2015 के दौरान मोजांबिक का दौरा किया तथा 15 जनवरी 2015 को राष् ट्रपति श्री फिलिप न् यूसी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए विदेश राज् य मंत्री जनरल (डा .) वी के सिंह (सेवानिवृत् त) ने 14 से 16 जनवरी 2015 के दौरान मोजांबिक का दौरा किया।

जहां तक मोजांबिक का संबंध है , राष् ट्रपति न् यूसी ने 4 से 7 अगस् त के दौरान भारत का राजकीय दौरा किया तथा इस दौरे पर उनके साथ विदेश मंत्री श्री ओल् डीमिरो बलोई ; कृषि एवं खाद्य सुरक्षा मंत्री श्री जोस पाचेको ; खनिज संसाधन एवं ऊर्जा मंत्री श्री पेड्रो कॉउटो तथा परिवहन एवं संचार मंत्री श्री कॉर्लोस मेसक्विटा आए थे। तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक में भाग लेने के लिए मोजांबिक के प्रधानमंत्री श्री कार्लोस अगोस्टिंहो डू रोसारियो ने भी 28 से 30 अक् टूबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया तथा इस यात्रा पर उनके साथ व् यापार एवं उद्योग मंत्री श्री एर्नेस् टो मैक् स टोनेला भी आए थे। इससे पहले 2014 में मोजांबिक के विदेश मंत्री श्री ओल् डीमिरो बलोई ने 23 से 29 नवंबर तक भारत का दौरा किया , तत् कालीन खनिज संसाधन मंत्री सुश्री एस् पीरांका बियास ने पेट्रोटेक 2014 में भाग लेने के लिए 12 से 15 जनवरी 2014 के दौरान नई दिल् ली का दौरा किया तथा कृषि मंत्री जोस पाचेको एवं तत् कालीन व् यापार एवं उद्योग मंत्री श्री अरमांडो

इनरोगा ने 10वीं सी आईआई-एग्जिम बैंक अफ्रीका गोष्ठी में भाग लेने के लिए 9 से 11 मार्च 2014 के दौरा नई दिल्ली का दौरा किया।

**आर्थिक**

**विकास सहायता :** भारत ऋण सहायता सहित विभिन्न तरीकों से मोजांबिक की मदद कर रहा है। भारत ने 2010 में मोजांबिक के राष्ट्रपति गुएबुजा की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान मोजांबिक को 500 मिलियन अमरीकी डालर की ऋण सहायता की पेशकश की। इसके तहत, मोजांबिक सरकार द्वारा प्रस्तावित सभी परियोजनाओं के लिए मंजूरी से अवगत करा दिया गया है परंतु वे कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों पर हैं। इससे पूर्व, भारत ने मोजांबिक को 140 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की ऋण सहायता प्रदान की थी। पिछले दो वर्षों के दौरान, दो एल ओ सी परियोजनाएं पूरी हुई हैं तथा मोजांबिक सरकार को सौंपी गई हैं – मुलौने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पार्क में एक प्रौद्योगिकी विकास एवं नवाचार केंद्र (टी डी आई सी) की स्थापना (25 मिलियन अमरीकी डालर) और मपूतो के पास एक सोलर फोटो वाल्टिक पैनल असेंबली प्लांट की स्थापना (13 मिलियन अमरीकी डालर)।

**महत्वपूर्ण कारोबारी शिष्टमंडलों का आदान – प्रदान :** पिछले कुछ वर्षों के दौरान मोजांबिक आर्थिक विकास की गतिविधियों में भाग लेने तथा अवसरों का पता लगाने के लिए भारत से नियमित रूप से कारोबारी शिष्टमंडलों ने मोजांबिक का दौरा किया है। राज्य मंत्री (पीके) के नेतृत्व में एक बड़े सी आई आई शिष्टमंडल ने जुलाई, 2013 में मपूतो का दौरा किया तथा वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के नेतृत्व में भी एक बड़े सी आई आई शिष्टमंडल ने सितंबर, 2013 में मोजांबिक का दौरा किया। एक अन्य सी आई आई – आंध्र प्रदेश शिष्टमंडल ने 11 से 13 दिसंबर, 2013 के दौरान मपूतो का दौरा किया। भेषज पदार्थ निर्यात संवर्धन परिषद के नेतृत्व में एक 25 सदस्यीय फार्मास्यूटिकल शिष्टमंडल ने 9 से 12 मार्च, 2014 के दौरान मपूतो का दौरा किया। एक कंट्री रणनीति मिशन के लिए एक एक्जिम बैंक शिष्टमंडल 16 से 22 नंवबर, 2014 के दौरान मपूतो में था। पेट्रोलियम एवं गैस राज्य मंत्री श्री धमेंद्र प्रधान के साथ एक 9 सदस्यीय सी आई आई शिष्टमंडल ने 8 से 11 अप्रैल 2015 तक मोजांबिक का दौरा किया। विदेश व्यापार महानिदेशक श्री अनूप वाधवान के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 25 और 26 नवंबर को मपुतो में आयोजित 'नमस्कार अफ्रीका' के चौथे सत्र में भाग लिया जिसमें भारत के 70 कारोबारी शामिल थे। मोजांबिक से उच्च स्तरीय शिष्टमंडलों ने भी नई दिल्ली में मार्च में वार्षिक सी आई आई – एक्जिम बैंक अफ्रीका गोष्ठी में नियमित रूप से भाग लिया है। फिक्की की मेजबानी में मोजांबिक के 10 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 5 से 7 अक्टूबर तक दिल्ली में आयोजित एडवांटेज हेल्थ केयर इंडिया 2015 में भाग लिया।

**मोजांबिक में भारतीय परियोजनाएं / निवेश :** मोजांबिक के निवेश संवर्धन केंद्र (सी पी आई) द्वारा जारी किए गए निवेश डाटा के अनुसार 2004 से 2014 तक संचयी रूप में भारत द्वारा अनुमोदित निवेश 128.02मिलियन अमरीकी डालर है। तथापि, इन आंकड़ों में खनन उद्योग में किए गए निवेश शामिल नहीं हैं। भारत 2012 में मोजांबिक में आठवां सबसे बड़ा निवेशक था तथा यूरोपीय संघ, पुर्तगाल और दक्षिण अफ्रीका पहले तीन स्थानों पर हैं। हालांकि भारतीय कंपनियों द्वारा कुल निवेश का सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, बैंक ऑफ मोजांबिक के अनुसार अप्रैल, 2014 की स्थिति के अनुसार मोटेतौर पर एफ डी आई 1.4 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास है। 2014 की पहली छमाही में, भारत की दो राष्ट्रीय तेल कंपनियों – ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड (ओ वी एल) तथा ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओ आई एल) ने 5.075 बिलियन अमरीकी डालर की लागत से रोवुमा गैस ब्लाक के एरिया-1 में 20 प्रतिशत प्रतिभागी शेयर के अधिग्रहण का काम पूरा किया है। 2008 से यह भारत पेट्रो रिसोर्सेज लिमिटेड (बी पी आर एल) नामक एक अन्य राष्ट्रीय तेल कंपनी द्वारा पहले से धारित 10 प्रतिशत शेयर के अलावा है। इंटरनेशनल कोल वेंचर्स लिमिटेड (आई सी वी एल) जो सेल, एन टी पी सी, एन एम डी सी, सी आई एल और आर आई एन एल का एक कंसोर्टियम है, ने जुलाई 2014 में 50 मिलियन अमरीकी डालर के बदले में रियो टिन्टो की बेंगा माइन्स और दो अन्य कोल माइन्स (जिम्बेजी एवं टेटी) में 65 प्रतिशत शेयर प्राप्त किया। मोजांबिक में निवेश करने वाली कुछ प्रमुख भारतीय कंपनियां इस प्रकार हैं – कोयला खनन के क्षेत्र में टाटा स्टील, जे एस पी एल, जे एस डब्ल्यू, एस्सार, मिडवेस्ट अफ्रीका, कोल इंडिया लिमिटेड, सनफैल्ग ग्रुप आदि; लौह अयस्क के खनन में दामोदर फेरो; बंदरगाह विकास में एस्सार और कृषि के क्षेत्र में प्योर डाइट, राजाराम बापू ग्रुप, एच के जालान ग्रुप तथा एशियन टी कंपनी।

**द्विपक्षीय व्यापार संबंध :** डीजीसीआईएस कोलकाता के आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 के दौरान भारत और मोजांबिक के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2396.58 मिलियन अमरीकी डालर था जिसमें भारत से निर्यात का मूल्य 2070.84 मिलियन अमरीकी डालर था जो वर्ष 2013-14 की तुलना में 64.72 प्रतिशत अधिक है तथा भारत से आयात का मूल्या 325.74 मिलियन अमरीकी डालर था जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.19 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल से सितंबर 2015 के दौरान, द्विपक्षीय व्यापार 846.34 मिलियन अमरीकी डालर था जिसमें भारत के निर्यात और आयात का मूल्य क्रमशः 693.55 मिलियन अमरीकी डालर और 152.79 मिलियन अमरीकी डालर है।

**सांस्कृतिक :**

**मोजांबिक के नागरिकों के लिए प्रशिक्षण एवं छात्रवृत्तियां :** भारत भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत व् यापक श्रेणी के विषय क्षेत्रों में हर साल मोजांबिक सरकार के नामितियों को प्रशिक्षण दे रहा है। 2015 में , भारत इस कार्यक्रम के तहत मोजांबिक को 30 स् लाट प्रदान कर रहा है। इसके अलावा , भारत में स् नातक , स् नात् कोत् तर (पी जी) तथा शोध अध् ययन के लिए भारतीय सांस् कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) की अफ्रीका छात्रवृत्ति स् कीम के तहत मोजांबिक के योग् य उम् मीदवारों को हर साल 34 छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही हैं तथा हिंद महासागर परिधि संघ (आईओआरए) के तहत पीजी अध् ययन के लिए कुछ स् लाट प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा , भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठकों के निर्णयों के तहत सी वी रमन फेलोशिप तथा अल् पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी मोजांबिक को पेशकश की जा रही है , जो 'पहले आओ पहले पाओ' के मानदंड पर आधारित हैं। इन सभी कार्यक्रमों में भारत सरकार नामितियों के लिए हवाई टिकट , वीजा , बोर्डिंग एवं लाजिंग , ट्यूशन फीस एवं अध् ययन सामग्री का खर्च वहन करती है।

**मोजांबिक के नागरिकों के लिए प्रशिक्षण एवं छात्रवृत्तियां :** भारत भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत व्यापक श्रेणी के विषय क्षेत्रों में हर साल मोजांबिक सरकार के नामितियों को प्रशिक्षण दे रहा है। 2015-16 में, भारत इस कार्यक्रम के तहत मोजांबिक को 30 स्लाट प्रदान कर रहा है। इसके अलावा, भारत में स्नातक, स्नात्कोत्तर (पी जी) तथा शोध अध्ययन के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) की अफ्रीका छात्रवृत्ति स्कीम के तहत मोजांबिक के योग्य उम्मीदवारों को हर साल 34 छात्रवृत्तियां प्रदान की जा रही हैं तथा हिंद महासागर परिधि संघ (आई ओ आर ए) के तहत पीजी अध्ययन के लिए कुछ स्लाट प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा, भारत – अफ्रीका मंच शिखर बैठकों के निर्णयों के तहत सी वी रमन फेलोशिप तथा अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी मोजांबिक को पेशकश की जा रही है, जो 'पहले आओ, पहले पाओ' के मानदंड पर आधारित हैं। इन सभी कार्यक्रमों में भारत सरकार नामितियों के लिए हवाई टिकट, वीजा, बोर्डिंग एवं लाजिंग, ट्यूशन फीस एवं अध्ययन सामग्री का खर्च वहन करती है। मोजांबिक सरकार के अनुरोध पर मोजांबिक के पुलिस कर्मियों को फरवरी – मार्च, 2013 में महाराष्ट्र फोर्स वन में कंबैक्ट कोर्स प्रदान किया गया जिसमें एंटी रायट, एंटी टेरिरिज्म, होस्टेज रेस्क्यू, बम डिस्पोजल आदि शामिल थे। इस प्रशिक्षण पर सभी खर्च को आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत कवर किया गया। मोजांबिक के 6 पुलिस कर्मी मोजांबिक के गृह मंत्रालय को भारत सरकार के अनुदान के तहत गुजरात फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय में दीर्घावधिक प्रशिक्षण भी प्राप्त कर चुके हैं।

**महत्वपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम :** 21 जून, 2015 को मिशन ने पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए वी आई पी होटल, मपुतो में एक खुले कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मोजांबिक के पी आई ओ तथा अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सदस्यों सहित लगभग 150 व्यक्तियों ने भाग लिया। उच्चायोग ने भारत और मोजांबिक के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 40 साल पूरे होने के अवसर पर 15 जुलाई को गोवा ग्रुप ''केपेमचिम किरनाम'' द्वारा एक आई सी सी आर प्रायोजित संगीत एवं नृत्य परफार्मेंस का आयोजन किया।

**भारतीय समुदाय :**

मोजांबिक में भारतीय नागरिकता वाले व्यक्तियों की संख्या लगभग 1,500 से 2,000 है तथा लगभग

20,000 भारतीय मूल के व्यक्ति हैं जिनके पास मोजांबिक / पुर्तगाल की नागरिकता है। भारतीय मूल के इन व्यक्तियों में से अधिकतर थोक व्यापार एवं खुदरा व्यापार में लगे हैं तथा मूलरूप से वे गुजरात, गोवा, दमन एवं दीव से आए हैं।

**उपयोगी संसाधन :**

भारतीय उच् चायोग , मपूतो की वेबसाइट :
www.hicomind-maputo.org
भारतीय उच् चायोग , मपूतो का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/pages/High-Commission-of-India-Maputo/149303415166553?ref=hl
भारतीय उच्चायोग, ट्विटर लिंक :
@IndiainMoz
https://twitter.com/IndiainMoz

***

**जनवरी, 2016**